दूरभाष : 05644 - 260495, 260379 (O)
फैक्स: 05644 -260565, 260419 M: 9549157392
इमेलः ashok.drmr@gmail.com

भा.कृ.अनु.प.–सरसों अनुसंधान निदेशालय
सेवर, भरतपुर (राजस्थान) 321 303

डॉ. अशोक कुमार शर्मा
प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक : **09-04-2025**

प्रेस विज्ञप्ति

डॉ. विजय वीर सिंह बने ICAR-भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, भरतपुर के 11वें निदेशक

स्थानीय ग्रामीण पृष्ठभूमि से राष्ट्रीय नेतृत्व तक की प्रेरक यात्रा

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ICAR-भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान, सेवर, भरतपुर के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विजय वीर सिंह को संस्थान का 11वां निदेशक नियुक्त किया है। डॉ. सिंह 2 मार्च 2025 से कार्यवाहक निदेशक के रूप में सेवाएं दे रहे थे और अब 4 अप्रैल 2025 से उन्होंने पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर भरतपुर के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों के सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों तथा समाज सदन के सदस्यों ने निदेशक महोदय का स्वागत किया।

निदेशक पद की यह नियुक्ति न केवल संस्थान बल्कि समूचे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि डॉ. सिंह की जड़ें भरतपुर जिले की वैर तहसील के नगला गुठाकर गाँव से जुड़ी हैं। 1 जुलाई 1971 को जन्मे डॉ. सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मल्टीपरपज स्कूल, भरतपुर से पूरी की। कृषि स्नातक और परास्नातक (आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन) की शिक्षा उन्होंने राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर से की, जहाँ वे गोल्ड मेडलिस्ट रहे।

डॉ. सिंह का शैक्षणिक और अनुसंधान सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत सहायक प्रोफेसर के रूप में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर से की। वर्ष 2006 में वे ICAR-भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान में वरिष्ठ वैज्ञानिक के रूप में नियुक्त हुए और 2011 में प्रधान वैज्ञानिक पद पर चयनित हुए। वे पिछले एक दशक से अधिक समय से संस्थान की फसल सुधार इकाई का नेतृत्व कर रहे हैं।

अपनी शोध विशेषज्ञता और प्रबंधन क्षमता के बल पर डॉ. सिंह ने संस्थान की अनेक प्रमुख समितियों में नेतृत्व किया है, जिनमें अखिल भारतीय समन्वित राई-सरसों अनुसंधान परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक, अनुसंधान सलाहकार समिति एवं पंचवर्षीय समीक्षा समिति के सचिव जैसे दायित्व शामिल हैं।

राई-सरसों अनुसंधान के क्षेत्र में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। उन्हें राई-सरसों की कुल 10 प्रजातियों तथा 30 से अधिक जननद्रव्यों के विकास का श्रेय जाता है। उनके नेतृत्व में DRMR11-65-40, DRMR-150-35 और BPM-Q-47 जैसी उन्नत किस्मों का विकास हुआ है। साथ ही, DBT, BBSRC, ICAR और DAC जैसी संस्थाओं द्वारा वित्तपोषित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का सफल संचालन कर उन्होंने देशभर में सरसों अनुसंधान को नई दिशा दी।

डॉ. सिंह एक प्रखर वैज्ञानिक लेखक भी हैं। उनके नाम पर 110 शोध पत्र, 4 पुस्तकें और अनेक लोकप्रिय लेख प्रकाशित हैं। उनकी उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें बेस्ट रिसर्चर अवार्ड, बेस्ट साइंटिस्ट अवार्ड, एमिनेंट साइंटिस्ट अवार्ड और बेस्ट परफॉर्मर अवार्ड शामिल हैं।

किसानों के हित में कार्य करते हुए उन्होंने दूरदर्शन एवं रेडियो के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाए और 10 राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों का सफल आयोजन भी किया। वर्तमान में वे कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समितियों से भी जुड़े हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय अनुभव की बात करें तो वर्ष 2009 में उन्होंने फ्रांस और 2011 में चेक रिपब्लिक का दौरा भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में किया, जहाँ उन्होंने कृषि अनुसंधान में सहयोग की संभावनाएं तलाशी।

डॉ. विजय वीर सिंह का यह नेतृत्व न केवल संस्थान के लिए बल्कि देश की तिलहन नीति और अनुसंधान के भविष्य के लिए भी एक प्रेरक और निर्णायक पड़ाव साबित होगा।

कार्यक्रम में न्यौठा के रामभरोसी, हलैना के हेतराम शर्मा, भौसीगा के रामवीर सिंह एवं अजयसिंह, रॉफ, पहाडी के गंगाराम एवं ओमप्रकाश, पिचूमर के बनयसिंह एवं सुन्दर लाल, श्रीनगर के मोहित कुमार एवं लालपत, बुधावई के वीरेश, दोरदा के हरभानसिह, मुरवारा के बसन्ताराम तथा संस्थान के वैज्ञानिकों तथा कर्मचारियों ने माला और साफा पहनाकर निदेशक महोदय को सम्मानित किया।

(अशोक कुमार शर्मा)

भा.कृ.अनुप.–भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान
सेवर, भरतपुर (राजस्थान)

भा.कृ.अनुप.–भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान
सेवर, भरतपुर (राजस्थान)